Value Addition Course
गैर–हिन्दी भाषी विद्यार्थियों के लिए बोली जाने वाली और लिखित हिन्दी

30 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives) :

1. शिक्षार्थियों को हिन्दी में प्रभावी बोलने और सुनने के कौशल से युक्त करना।
2. छात्रों को भाषा के मूल सिद्धांतों और विभिन्न जीवन स्थितियों में इसके उपयोग को सीखने में सक्षम बनाना।
3. उन्हें हिन्दी भाषा की संचार क्षमता का अनुभव कराना।
4. उन्हें साक्षात्कार, समूह चर्चा और जनता का सामना करने के लिए हिन्दी भाषा का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करना।
5. छात्रों को भाषा की संरचना के बारे में जानने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Learning Outcomes) :

1. हिन्दी में सरल बातचीत करने में सक्षम बनाना।
2. हिन्दी वाक्य पढ़ने और लिखने में सक्षम बनाना।
3. प्रारम्भिक हिन्दी की जानकारी प्रदान करना।
4. उत्तर भारत में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास बढ़ाना।

इकाई – 1: व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, काल, लिंग, अभिवादन रिश्तेदारी के लिए शब्दावली। **20 घण्टे**

इकाई – 2: वार्तालाप – विभिन्न स्थितियों में बातचीत – दैनिक दिनचर्या – बाजार – ट्रेन, होटल आदि में। **10 घण्टे**

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा : विकास और स्वरूप : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली
3. हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरू
4. सामान्य व्यावहारिक हिन्दी : डॉ. राघव प्रकाश, पिंकसिटी प्रकाशन, जयपुर

संज्ञा

व्याकरणिक, रूप अथवा प्रयोग के आधार पर शब्दों को दो भागों में बाँटा गया है–

1. विकारी शब्द   2. अविकारी शब्द (अव्यय)।

विकारी शब्द :–

जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण रूप परिवर्तन अथवा विकार उत्पन्न होता है, उन्हें विकारी शब्द कहते हैं; जैसे – लड़का पढ़ रहा है। (लिंग परिवर्तन) लड़की पढ़ रही है। लड़का खेल रहा है। (वचन परिवर्तन) लड़के खेल रहे हैं।

विकारी शब्द के प्रकार :–

विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं – (क) संज्ञा, (ख) सर्वनाम, (ग) विशेषण, (घ) क्रिया।

संज्ञा के तीन आधार हैं। इन्हें संज्ञा की व्याकरणिक कोटियाँ भी कहा जाता है :–

1. लिंग   2. वचन 3. कारक

(इस अध्याय में विकारी शब्दों उनकी कोटियों तथा उपभागों का वर्णन प्रस्तुत किए जाने का प्रयास किया गया है।)

संज्ञा :–

वे विकारी शब्द, जिनसे किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान तथा भाव आदि के नाम का बोध होता है; उन्हें संज्ञा शब्द कहते हैं; जैसे – आकाश, गंगा, अक्षर, बल, जादू, देवता आदि।

संज्ञा के कार्य :– संज्ञा के अनेक कार्य होत हैं; जैसे –

- **व्यक्तियों के नामों का बोध कराना** – राम, मोहन, सुरेश, रमेश, सुषमा, स्मृति, आदि।
- **वस्तुओं के नामों का बोध कराना** – खिड़की, दरवाजा, स्याही, कलम, कुर्सी, मेज, किताब, कागज, आदि।
- **स्थानों के नामों का बोध कराना** – दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरु, पूना, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर आदि।
- **राज्य अथवा राष्ट्र या फिर महादेशों का बोध कराना** – उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, भारत, श्रीलंका, एशिया, यूरोप, अमरीका, रूस आदि।
- **प्राकृतिक संपदाओं के नामों** अर्थात् नदी, सागर, पहाड़, आदि के नामों का बोध कराना – सरस्वती, नर्मदा, अरब सागर, लाल सागर, हिमालय, सतपुड़ा, विंध्याचल आदि।
- दिन, महीना, ग्रह–नक्षत्र आदि का बोध कराना – मंगलवार, शनिवार, सावन, भादों, माघ, शुक्र, भैंस, बैल, बंदर आदि।
- धातुओं, द्रव्यों, तरह–तरह के अनाजों के नाम का बोध कराना – सोना, चाँदी, लोहा, दूध, तेल, जल, चना, मटर, गेहूँ, सरसों, चावल, राजमा, उड़द आदि।
- भाव धर्म व गुणसूचक नामों का बोध कराना – सेना, सभा, जुलूस, संसद, मंडल, कुंज, गिरोह, दल आदि।

संज्ञा के भेद :–

हिंदी में संज्ञा को 'वस्तु' और 'धर्म' के आधार पर पाँच भागों में बाँटा गया है –

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा   2. जातिवाचक संज्ञा

3. समूहवाचक संज्ञा   4. द्रव्यवाचक संज्ञा (वस्तु/पदार्थ के आधार पर)

5. भाववाचक संज्ञा (धर्म के आधार पर)

वस्तु के आधार पर :–

वस्तु के आधार पर संज्ञा के चार भेद होते हैं।

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा

3. समूहवाचक संज्ञा 4. द्रव्यवाचक संज्ञा

धर्म के आधार पर :–

धर्म के आधार पर संज्ञा का एक ही भेद है – भाववाचक संज्ञा।
कुछ विद्वान संज्ञा के तीन भेद मानते हैं।

1. व्यक्तिवाचक 2. जातिवाचक 3. भाववाचक

वे समूहवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञा का समावेश जातिवाचक संज्ञा के अन्तर्गत ही करते हैं।
कुछ विद्वान संज्ञा के दो भेद मानते हैं।

1. पदार्थवाचक संज्ञा 2. भाववाचक संज्ञा

(1) पदार्थवाचक संज्ञा :–

इसके अंतर्गत जड़ और चेतन दोनों पदार्थ समाहित किए गए है। जैसे – राम, राजा, घोड़ा, सभा, भीड़, आदि। पदार्थवाचक संज्ञा दो प्रकार की होती है–

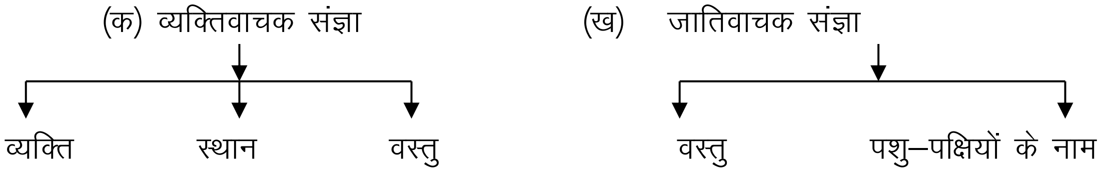

(2) भाववाचक संज्ञा :–

किसी पदार्थ में पाए जाने वाले धर्म का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे – बुढ़ापा, चाल, लंबाई, चतुराई आदि।

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा :–

किसी एक वस्तु, स्थान या व्यक्ति का बोध कराने वाली संज्ञा को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे – राम, पटना, आम, केला, आदि। व्यक्तिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण

व्यक्तियों के नाम – माधव, मुरारी, रामप्रसाद, रहमान, अली, अन्थोनी, मिल्खा, मुनिरामसिंह आदि।

देशों के नाम – कोरिया, इराक, इरान, अफगानिस्तान, तुर्की, आदि।

राष्ट्रीय जातियों के नाम – ईराकी, अफगानी, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, अमेरिकी, जापानी आदि।

दिशाओं के नाम – पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण।

नदियों के नाम – गंगा, यमुना, कावेरी, सरस्वती, सिंधु, बोल्गा, कृष्णा, सरयू, नर्मदा आदि।

पहाड़ो के नाम – हिमालय, विंध्याचल, एवरेस्ट, नीलगिरि, आदि।

समुद्रों के नाम – प्रशान्त महासागर, अरबसागर, हिन्द महासागर, काला सागर, भूमध्य सागर आदि।

पुस्तकों एवं समाचार पत्रों के नाम – रामायण, महाभारत, कादंबरी, गोदान, दैनिक जागरण, अमर उजाला, इंडिया टुडे, राष्ट्रधर्म आदि।

नगरों, सड़को, और चौकों के नाम – प्रयाग, लखनऊ, हजरतगंज, लालचौक, ग्रांडट्रंकरोड, अशोक मार्ग, तिलक मार्ग, चाँदनी चौक आदि।

दिनों एवं महीनों के नाम – रविवार, सोमवार, सितंबर, अक्टूबर, सावन, भादो।

त्यौहारों एवं उत्सवों के नाम – रक्षाबंधन, क्रिसमस, होली, दीवाली, स्वतंत्रता दिवस, विजयादशमी, आदि।

ऐतिहासिक युद्धों और घटनाओं के नाम – हल्दीघाटी की लड़ाई, पानीपत का युद्ध, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, अक्टूबर क्रांति, मई दिवस आदि।

दार्शनिक तथ्यों के नाम – ईश्वर, परब्रह्म, परमात्मा, ब्रह्मांड, प्रकृति आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा :–

किसी जाति के संपूर्ण पदार्थों और उनके समूहों का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे –

पशु पक्षियों के नाम – गाय, गौरैया, गिद्ध, तोता, मैना, भैंस, बैल, सिंह, सियार, हाथी, गैंडा, आदि सभी प्रकार के पशु–पक्षियों के नाम इसके अंतर्गत आ जाते है।

वस्तुओं के नाम – जितनी प्रकार की भी वस्तुएँ हो सकती हैं – घड़ी, पुस्तक, टेबल, कलम, दवात, दुकान, भवन, पुल, पहनने के वस्त्र आदि। इनका विस्तार अनंत है। जीवन की आवश्यकता संबंधी लगभग सभी वस्तुएँ इस संज्ञा की परिधि में आ जाती हैं।

प्राकृतिक आपदाओं के नाम – आँधी, तूफान, भूकंप, वर्षा, बिजली, भूस्खलन, ज्वालामुखी आदि सभी प्रकृतिक आपदाएँ इसके अंतर्गत आ जाते हैं।

सामाजिक संबंधों, पदों और कार्यों के नाम – यह परिछेत्र बहुत ही विस्तृत है – भाई, बहन, बढ़ई, जुलाहा, बाबू, अफसर, प्रोफेसर, चोर, ठग, नेता, लोहार, कुम्हार, चर्मकार, मूर्तिकार, चित्रकार, अभिनेता, दर्शक, सभी इस संज्ञा की सीमा में आ जाते हैं।

जातिवाचक और व्यक्तिवाचक संज्ञा में अंतर :–

जातिवाचक संज्ञा – कवि, स्त्री, नदी, नगर, पर्वत।

व्यक्तिवाचक संज्ञा – तुलसीदास, राधा, गंगा, जयपुर, हिमालय।

3. समूहवाचक संज्ञा :–

वस्तु अथवा व्यक्ति के समूह का बोध कराने वाले शब्द समूहवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे

व्यक्तियों का समूह – सभा, जुलूस, कक्षा, गिरोह, मेला आदि।

वस्तुओं का समूह – गुच्छा, घौद, कुंज, मंडल, झुंड।

4. द्रव्यवाचक संज्ञा :–

वे शब्द जो नाप–तौल वाली वस्तुओं का बोध कराते हैं द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे –

पदार्थों के नाम – पानी, तेल, दूध, दही, घी आदि।

धातुओं के नाम – सोना, चाँदी, ताँबा, पीतल, लोहा आदि।

5. भाववाचक संज्ञा :–

जो शब्द किसी वस्तु के गुण, दशा या व्यापार का बोध कराते हैं, भाववाचक संज्ञा कहलाते हैं; जैसे

गुण के अर्थ में – सुंदरता, विद्वता, बुद्धिमता, कुशाग्रता आदि।

दशा के अर्थ में – उन्नति, अवनति, ऊँचाई, गहराई, ढलान, आदि।

अवस्था के अर्थ में – बचपन, जवानी, बुढ़ापा, आदि।

भाव के अर्थ में – मित्रता, शत्रुता, ममता, निजता आदि।

(1) भाववाचक संज्ञा का निर्माण प्रत्यय जोड़कर किया जाता है, जो छः आधारों पर होता है :–

व्यक्तिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	व्यक्तिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
शिव	शिवत्व	राम	रामत्व
कृष्ण	कृष्णत्व	बुद्ध	बुद्धत्व

(2) जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा का निर्माण

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मूर्ख	मूर्खता	दास	दासता, दासत्व
पंडित	पंडिताई	मित्र	मित्रता
बूढ़ा	बुढ़ापा	मनुष्य	मनुष्यत्व, मनुष्यता
नारी	नारीत्व	लड़का	लड़कपन
बच्चा	बचपन	गुरु	गुरुत्व

(3) **विशेषण से भाववाचक संज्ञा का निर्माण**

विशेषण	**भाववाचक संज्ञा**	**विशेषण**	**भाववाचक संज्ञा**
कठोर	कठोरता	गर्म	गर्मी
कड़ा	कड़ाई	सर्द	सर्दी
गोरा	गोराई	चौड़ा	चौड़ाई
सुंदर	सुंदरता	वीर	वीरता, वीरत्व
हरा	हरियाली	लाल	लालिमा

सर्वनाम

सर्वनाम दो शब्दों 'सर्व' और 'नाम' से मिलकर बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है – सबका नाम। जो शब्द सबके नामों के स्थान पर प्रयुक्त किए जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। दूसरे शब्दों में संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।

परिभाषा :– ''सर्वनाम उस विकारी शब्द को कहते हैं, जो पूर्वापर संबंध में किसी भी संज्ञा के बदले आता है।''

जैसे – स्मृति ने कहा कि मैं विद्यालय जाऊँगी। ('स्मृति' के स्थान पर 'मैं' का प्रयोग)
तेरा भाई कहता है कि वह मैच जीतेगा। ('तेरा भाई' के स्थान पर 'वह' का प्रयोग)

सर्वनाम की उपयोगिता :–

भाषा को सहज, सुन्दर और सुविधाजनक बनाने में सर्वनामों का विशेष योगदान रहता है। यदि संज्ञा शब्दों को बार–बार प्रयोग होगा, तो भाषिक–सौंदर्य विलीन हो जाएगा। जैसे – कनिका स्कूल गई है। स्कूल से आते ही कनिका कनिका की माताजी के साथ बाजार जाएगी। फिर कनिका कनिका के चाचा जी के साथ पार्क में घूमेगी। इसके बाद कनिका कनिका के पापा के साथ टी.वी देखेगी।

सर्वनाम का सौन्दर्य :–

कनिका स्कूल गई है। स्कूल से आते ही वह अपनी माताजी के साथ बाजार जाएगी। फिर वह अपने चाचाजी के साथ पार्क में घूमेगी। इसके बाद वह अपने पापा के साथ टी.वी देखेगी।

सर्वनामों की संख्या :–

हिंदी में सर्वनामों की संख्या 11 है। जैसे – मैं, तू, आप, यह, वह, जो, सो, कोई, कुछ , कौन, क्या।

सर्वनाम के भेद :–

सर्वनाम के भेद निम्नलिखित है।

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निजवाचक सर्वनाम
3. निश्चयवाचक सर्वनाम
4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. संबंधवाचक सर्वनाम

1. पुरुषवाचक सर्वनाम :–

जिन शब्दों का प्रयोग पुरुषों (स्त्री–पुरुष) के स्थान पर होता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं; जैसे –

(1) उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम (2) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम
(3) अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम

(1) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता या लेखक स्वयं के लिए करता है, उसे उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे – मैं, मेरा, हम, हमारा, मुझको, हमको, मैंने, हमें, हमने, मुझे आदि।

'मैं' पढ़ता हूँ। मेरा स्कूल दूर है। हम पढ़ते हैं।

इन वाक्यों में वक्ता या लेखक ने अपने लिए रेखांकित शब्द 'मैं', 'मेरा', और 'हम' प्रयोग किया है, ये उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम शब्द हैं।

(2) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता या लेखक सुनने वाले या पढ़ने वाले के लिए करता है, उन्हें मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे – तू, तुम, तेरा, तुम्हारा, तुझको, तुझे, तुम्हें, आपको, अपने, आदि।

तुम क्या करते हो? तुम्हारा क्या नाम है? आप कहाँ जा रहे हैं?

इन वाक्यों में वक्ता या लेखक ने सुनने वाले या पढ़ने वाले के लिए रेखांकित शब्द 'तुम', 'तुम्हारा' और 'आप' प्रयोग किया है, ये ही मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

(3) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता या लेखक पढ़ने–सुनने वालों के अलावा अन्य व्यक्तियों के लिए करता है, उसे अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे – वह, उसे, उन्हें आदि।

यह किसका घर है?   वह कमीज मेरी है।   ये पुस्तक हैं।

इन वाक्यों में प्रयुक्त रेखांकित शब्द अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम एकवचन और बहुवचन दोनों रूपों में प्रयोग किए जाते हैं –

उत्तमपुरुष		**मध्यमपुरुष**		**अन्य पुरूष**	
एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
मैं	हम	तू	तुम	यह / वह	ये / वे
	मुझे / मुझको	हमें / हमको	तुझे / तुझको	इसे / इसको	इन्हें / इनका
				उसे / उसको	उन्हें / उनका
मेरा / मेरे	हमारा / हमारे	तेरा / तेरे	तुम्हारा / तुम्हारे	इसका / उसका	इनका / उनका
				इसके / उसके	इनके / उनके
मेरी	हमारी	तेरी	तुम्हारी	इसकी / उसकी	इनकी / उनकी

2. निजवाचक सर्वनाम :–

निजवाचक सर्वनाम वस्तुतः पुरुषवाचक सर्वनाम का ही एक भेद है। इसमें वक्ता या लेखक जब अपने लिए 'आप', 'अपने आप' या 'स्वयं' का प्रयोग करता है, तो निजवाचक सर्वनाम कहलाता है। आप, अपने–आप, स्वयं, खुद, स्वतः, निज आदि प्रमुख निजवाचक सर्वनाम हैं; जैसे –

मैं अपना कार्य स्वयं करता हूँ।   मैं अपना काम आप करता हूँ।

हम खुद ही यहाँ आ गए।   वह स्वतः समझ गया।

3. निश्चयवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों से वक्ता के पास या दूर की वस्तु के निश्चय का बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। यह, वह, ये, वे आदि निश्चयवाचक सर्वनाम हैं।

निश्चयवाचक सर्वनाम दो प्रकार का होता है –

(1) दूरवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम   (2) निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम

(1) दूरवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों में किसी संज्ञा की दूरी का बोध होता है, उन्हें दूरवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे – वह बहुत बड़ी इमारत है। मैं वहाँ दौड़ा क्योंकि बड़ी फिसलन थी।

(2) निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों में किसी संज्ञा की समीपता / निकटता का बोध होता है, उन्हें निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे – वह बहुत बड़ी इमारत है।

जैसे – यह मेरी पुस्तक है। आप यहाँ आ जाइए।

4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों से वक्ता के पास या दूर की किसी निश्चित वस्तु का बोध न हो, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे – कोई, कुछ आदि।

द्वार पर कोई आया है।   दूध में कुछ है।

घर में कोई है।   वह कुछ तो लाया होगा।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम दो प्रकार के होते हैं :–

(1) प्राणिबोध अनिश्चयवाचक सर्वनाम   (2) वस्तुबोधक अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(1) प्राणिबोध अनिश्चयवाचक सर्वनाम :– जिन सर्वनाम से प्राणिबोध में अनिश्चितता हो, उन्हें प्राणिबोधक अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। प्राणियों के लिए 'कोई', 'किसी' शब्द का प्रयोग किया जाता है, जैसे –

किसी ने तो खबर दी है। कोई कुछ भी कहे हम सच के साथ हैं।

(2) वस्तुबोधक अनिश्चयवाचक सर्वनाम :– जिन सर्वनाम शब्दों से वस्तु के विषय में अनिश्चयात्मकता का बोध होता हैं, उन्हें वस्तुबोधक अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। वस्तुओं के लिए 'कुछ' शब्द का प्रयोग किया जाता है; जैसे –

आपके लिए कुछ मँगा दें। रवि अपनी शादी पर कुछ तो दावत दो।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों से प्रश्न किए जाने का बोध हो, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहतें हैं; जैसे – कौन, क्या, कहाँ, क्यों, कैसे, आदि। जैसे –

तुम कौन हो? तुम्हारा घर कहाँ है? तुम यहाँ क्यों आए हो?

तुम्हारा नाम क्या है? कहिए, कैसे आना हुआ?

प्रश्नवाचक सर्वनाम दो प्रकार के होते हैं –

(1) प्राणिबोधक प्रश्नवाचक सर्वनाम – जिन सर्वनाम शब्दों में किसी व्यक्ति या प्राणी के विषय में प्रश्न किए जाने का बोध हो, उन्हें प्राणिबोधक प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। प्राणिबोधक संज्ञाओं के लिए कौन, किसे, किसने आदि का प्रयोग होता है; जैसे –

छत पर कौन हैं? फल किससे मँगाऊँ?

(2) वस्तुबोधक प्रश्नवाचक सर्वनाम – जिन सर्वनाम शब्दों में किसी वस्तु के विषय में प्रश्न किए जाने का बोध हो, उन्हें वस्तुबोधक प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। वस्तुबोधक शब्दों के लिए 'क्या' का प्रयोग होता है; जैसे –

बाजार से क्या लाओगे? तुम्हारे बैग में क्या हैं?

6. संबंधवाचक सर्वनाम :–

जिन सर्वनाम शब्दों द्वारा दो भिन्न बातों का संबंध प्रकट किया जाता है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे – जो–सो, जिसे, वही, जिसको, उसको, जिसे–उसे, जिसकी, उसकी, जैसी, जिसने, उसने आदि। इनका प्रयोग युग्म में होता है; जैसे –

जो बोएगा, सो काटेगा। जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

जैसी करनी, वैसी भरनी। जो जागत है, वो पावत है।

क्रिया

परिभाषा :–

जिस शब्द में किसी कार्य का होना या करना समझा जाए अथवा व्यक्त हो, उसे क्रिया कहते हैं; जैसे – आना, जाना, खाना, पीना, उठना, पढ़ना, लिखना, सोना, जागना, खेलना, कूदना आदि।

क्रिया में रूप लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार परिवर्तन होता है। अतः यह विकारी शब्द है।

धातु :– संस्कृत में क्रिया को धातु कहा जाता है। एक प्रकार से क्रिया के मूल रूप को धातु कहा जाता है, जिसमें विकार होने से क्रिया बनती है। 'धातु' से ही क्रिया पदों का निर्माण होने के कारण क्रिया के सभी रूपों में 'धातु' उपस्थित रहती है; जैसे –

धातु	**धातु में जुड़ने वाले प्रत्यय**	**क्रिया**
उठ	ना, आ, ए, ओ	उठना, उठा, उठे, उठो।
दौड़	ना, आ, ए, ओ	दौड़ना, दौड़ा, दौड़े, दौड़ो।
हिल	ना, आ, ए, ओ	हिलना, हिला, हिले, हिलो।
मिल	ना, आ, ए, ओ	मिलना, मिला, मिले, मिलो।
नाच	ना, आ, ए, ओ	नाचना, नाचा, नाचे, नाचो।
काम	आना, आ	कमाना, कमा।
चिकना	आना	चिकनाना।
पढ़	ना, आ, ए, ओ	पढ़ना, पढ़ा, पढ़े, पढ़ो।
चल	ना, आ, ए, ओ	चलना, चला, चले, चलो।

पहचान :– धातु पहचानने का एक सरल ढंग है कि दिए गए शब्दांश में 'ना' लगाकर देखें। यदि 'ना' लगाने पर क्रिया शब्द बने तो समझना चाहिए कि वह शब्दांश धातु है।

धातु के भेद – शब्द निर्माण की दृष्टि से धातु के दो भेद होते हैं।

(1) मूल धातु (2) यौगिक धातु

(1) मूल धातु – यह स्वतंत्र होती है और किसी शब्द पर आश्रित नहीं रहती; जैसे
आ, जा, उठ, बैठ, पढ़, खेल, दौड़, भाग, खा, पी, लेट, चल, लिख आदि।

(2) यौगिक धातु – यौगिक धातु मूल धातु में प्रत्यय जोड़कर बनाई जाती है, दोनों मिलकर क्रिया रूप बनाते है; जैसे –

मूल धातु	**धातु में जुड़ने वाले प्रत्यय**	**क्रिया**
आ	ना, या, ए, ओ	आना, आया, आये, आओ।
जा	ना, ए, ओ	जाना, जाए, जाओ।
उठ	ना, आ, ए, ओ	उठना, उठा, उठे, उठो।
बैठ	ना, आ, ए, ओ	बैठना, बैठा, बैठे, बैठो।
पढ़	ना, आ, ए, ओ	पढ़ना, पढ़ा, पढ़े, पढ़ो।
लिख	ना, आ, ए, ओ	लिखना, लिखा, लिखे, लिखो।
चल	ना, आ, ए, ओ	चलना, चला, चले, चलो।
काम	आना	कमाना

क्रिया के भेद :–

(क) कर्म की दृष्टि से क्रिया के दो भेद होते हैं :–

(1) अकर्मक क्रिया (2) सकर्मक क्रिया

(1) अकर्मक क्रिया :– अकर्मक का अर्थ है कर्म रहित। कर्म ने न होने से क्रिया अकर्मक होती है। अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता है और उसका फल कर्त्ता पर पड़ता है;

जैसे – गाड़ी चली। लड़का सोता है। महिम हँसता है।

ये वाक्य कर्मरहित है। इनके क्रिया व्यापार का फल कर्त्ता गाड़ी, लड़का, महिमा और महिम पर पड़ता है।

(2) सकर्मक क्रिया :– जिस क्रिया से सूचित होने वाले व्यापार का फल कर्त्ता से निकलकर किसी दूसरी वस्तु पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते है; जैसे –

शगुन सेब खाता है।	अध्यापक छात्र को पढ़ाता है।
नेहा नृत्य करती है।	पीयूष पढ़ता है।
बच्चे टी.वी. देख रहे हैं।	सिद्धार्थ ने फल खरीदे।

ये वाक्य कर्मसहित हैं। इनके क्रिया व्यापार का फल कर्ता पर न पड़कर कर्म क्रमशः सेब, नृत्य, पढ़ता, छात्र, फल, टी.वी पर पड़ता है।

विशेषण

परिभाषा :–

''संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।''

जैसे :–

काली बिल्ली बड़ी शैतान है। सज्जन व्यक्ति अच्छे कार्य करते हैं।

पाँच–सात छात्र ही उपस्थित हुए। कुछ लोगों को बुला लीजिए।

उपर्युक्त वाक्यों में 'काली' बिल्ली का विशेषण है, 'बड़ी' शैतान का, 'सज्जन' विशेषण व्यक्ति की विशेषता बता रहा है तो 'अच्छे' कार्य की; इसी प्रकार 'पाँच–सात' और 'कुछ' छात्रों और लोगों के विशेषण हैं।

विशेषण और विशेष्य :–

विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं तथा जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताए, उसे विशेष्य कहते हैं; जैसे– लम्बा लड़का हँस रहा था।

उपर्युक्त वाक्य में 'लम्बा' विशेषण है और 'लड़का' विशेष्य है।

विशेषण के भेद :–

विशेषण मूलतः चार प्रकार के होते है :–

1. सार्वनामिक विशेषण
2. गुणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण
4. परिमाणवाचक विशेषण

1. सार्वनामिक विशेषण :– विशेषण के रूप में प्रयुक्त होने वाले सर्वनाम को सार्वनामिक विशेषण कहते हैं; जैसे –

वह घर जाता है।	यहाँ वह सर्वनाम है।
वह नौकर नहीं आया	यहाँ वह सर्वनाम है।
यह आदमी	यहाँ सर्वनाम विशेषण की तरह प्रयुक्त हुआ हैं।
वह भालू	यहाँ सर्वनाम विशेषण की तरह प्रयुक्त हुआ हैं।
कुछ लड़के	यहाँ सर्वनाम विशेषण की तरह प्रयुक्त हुआ हैं।
कोई व्यक्ति	यहाँ सर्वनाम विशेषण की तरह प्रयुक्त हुआ हैं।

सार्वनामिक विशेषण के दो उपभेद हैं – (1) मौलिक सार्वनामिक (2) यौगिक सार्वनामिक

(1) मौलिक सार्वनामिक विशेषण :– जो सर्वनाम बिना रूपांतर के मौलिक रूप में संज्ञा से पहले आकर उसकी विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें मौलिक सार्वनामिक विशेषण कहते हैं; जैसे –

वह आदमी अच्छा नहीं है। यह पुस्तक फटी है।

कोई छात्र कुर्सी लाये। कौन व्यक्ति यह कार्य करेगा।

(2) यौगिक सार्वनामिक विशेषण :– जो सर्वनाम रूपांतरित होकर संज्ञा शब्दों की विशेषता प्रकट करते हैं, उन्हें यौगिक सार्वनामिक विशेषण कहते हैं; जैसे –

ऐसा छात्र चुनो जो तेज दौड़े। ऐसी वैसी कोई चीज न खाओ।

जैसी करनी, वैसी भरनी। जितना दिया उतना मिला।

इन सभी वाक्यों के सर्वनामों में रूप परिवर्तन है और सभी विशेषण रूप में प्रयुक्त हैं।

2. गुणवाचक विशेषण :–

जो शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम के गुण, दशा, धर्म और स्वभाव का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं। ये विशेषण निम्नलिखित अर्थों में प्रयोग किए जाते हैं।

(1) काल – वर्तमान, भूत, भविष्य, प्राचीन, अर्वाचीन, अगला–पिछला, नया–पुराना, मौसमी, टिकाऊ, आगामी आदि।

(2) स्थान – ऊँचा–नीचा, गहरा, सीधा, तिरछा, सँकरा, लंबा–चौड़ा, बाहरी–भीतरी, ऊजड़, स्थानीय आदि।

(3) आकार – समान, सुडौल, गोल, चौकोर, नुकीला आदि।

(4) रंग – हरा, सफेद, नीला, पीला, काला, बैंगनी, लाल, हरा, केशरिया, सुनहरा, रुपहला, चमकीला, फीका, चटक।

(5) दशा – स्वस्थ, रोगी, दुबला, पतला, मोटा, छरहरा, भारी, गीला, सूखा, पिघला, गाढ़ा, घना, पालतू, धनी, कंगाल।

(6) गुण – शांत, अशांत, सीधा, दुष्ट, भला, बुरा, न्यायी, अन्यायी, दानी, कृपण, उचित, अनुचित, सच्चा, झूठा, इत्यादि।

विशेष :– गुणवाचक विशेषणों में सा–सी जोड़कर इन्हें विशेषणवत प्रयोग करते हैं।

3. संख्यावाचक विशेषण :–

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे – पाँच इन्द्रियाँ, पंच तत्व, पचास रूपये, कुछ दुकान, सब सड़कें, आदि।

संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार का होता है –

(1) निश्चित संख्यावाचक विशेषण (2) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

1. निश्चित संख्यावाचक विशेषण :– इस विशेषण में वस्तुओं की निश्चित संख्या का बोध होता है। जैसे – दस लड़कियाँ, बीस चोर, सौ रूपए।

प्रयोग के आधार पर निश्चित संख्यावाचक विशेषण को पाँच उपभेदों में विभक्त किया जा सकता है –

(क) गणनावाचक विशेषण – यह दो प्रकार का होता है।

(1) पूर्णांक बोधक – एक, चार, सौ, हजार

(2) अपूर्णांक बोधाक – पाव, आध, पौन, सवा, अढ़ाई, साढ़े।

(1) पूर्णांक बोधक विशेषण – यह दो प्रकार से लिखा जाता है।

(अ) **शब्दों में** – छोटी संख्याएँ लिखी जाती हैं –

सात वर्ष के अन्दर। आठ चोर पकड़े गये। छः जहाज डूबे।
बीस लोग सभा में आये। सात आदमी मरे।

(ब) **अंको में** – बड़ी संख्याएँ अंकों में लिखी जाती हैं जैसे संवत 1600, 2001 ईस्वी 2017, 14 हिजरी आदि। प्रायः तिथि और संवत् अंकों में ही लिखे जाते हैं।

(2) अपूर्णांक बोधक विशेषण :– संख्या के किसी भाग का बोध कराने वाले शब्द अपूर्णांक बोधक विशेषण कहे जाते हैं; जैसे – पाव, आधा, पौना, चौथाई, तिहाई, सवा, अढ़ाई, आदि।

एक पाव घी – पाव को 1/4 के रूप में लिखते हैं। (।) खड़ी पाई से भी इसका बोध होता है।

आधा सेर चीनी	1/2 या 1।	पौन सेर मटर	3/4 या ।।।
सवा सेर दूध	1¼ या 1।	डेढ़ सेर शक्कर	1½ या 1।।
पौने दो सेर जौ	1¾ या 1।।	ढाई सेर आटा	2½ या 2।।

इस प्रकार साढ़े तीन, सवा चार, साढ़े पाँच, पौने छः, सवा आठ आदि का प्रयोग होता है। ये सभी अपूर्णांकबोधक विशेषण हैं। सैकड़ा, हजार, लाख, करोड़, आदि संख्याओं के लिखने में भी अपूर्णांक बोधक विशेषण व्यवहार में लाए जाते हैं।

(ख) क्रमवाचक विशेषण :– इससे किसी वस्तु की क्रमानुसार गणना का बोध होता है; जैसे – पहला, राजा, दूसरा, मंत्री, तीसरा चोर, चौथा साधु, पाँचवाँ भिखारी, छठाँ किसान, सातवीं स्त्री, आठवीं संतान, नवीं कक्षा, दसवाँ भाग। यह विशेषण सदैव पूर्णांक बोधक विशेषण से बनता है। तिथियों के नामों में इसी का प्रयोग होता है – दूज, तीज, चौथ, पंचमी।

(ग) आवृत्तिवाचक विशेषण :— पूर्णांक बोधक शब्दों में 'गुना' या 'हरा' लगा देने से यह विशेषण बनता है — दुगुना, दूना, दूने, दूनी भी, तिगुना, चौगुना, पंचगुना, छःगुना, सतगुना, अठगुना, नौगुना, दसगुना। हरा जोड़ने से — इकहरा, दोहरा, तिहरा, चौहरा।

पहाड़ा पढ़ने में इनके रूप कुछ अलग तरह से बन जाते हैं; जैसे — एक एक्कम् एक, दो दूना चार, दो तिया छः, तीन तिरिक्का नौ।

(घ) समुदायवाचक विशेषण :— इनसे पूर्णांक बोधक संज्ञा के समुदाय का बोध होता है; जैसे — दोनों हाथ। पचीसों मजदूर। बीसों नाखून। सोलहों कला। बीसों घर।

अवधारणा हेतु समुदायवाचक विशेषण की द्विरूत्ति भी होती है; जैसे — पाँचों के पाँचों आदमी कायर निकले। दोनों के दोनों लड़के भाग गये।

समुदाय के अर्थ में कुछ संज्ञाओं का भी प्रयोग होता है। जैसे — दर्जन — 12, दहाई — 10, कोड़ी — 20, बत्तीसी — 32, छक्का — 6, गाही — 5, सैकड़ा — 100, गंडा — 4 या पाँच, चालीसा= 40

(ड.) प्रत्येक बोधक विशेषण :— कई वस्तुओं में से प्रत्येक का बोध कराने वाला शब्द प्रत्येक बोधक विशेषण होता है; जैसे — हर पल, हर घड़ी, हर एक आदमी, हर एक देश। प्रत्येक जन्म, प्रत्येक मनुष्य, हर आठवें दिन, हर बाहरवें वर्ष।

हर उर्दू का शब्द है, अतः इसके बदले फारसी का फी भी आता है; जैसे — कीमती फी पुस्तक। कीमत फी मकान। गिनती फी आदमी।

गणनावाचक तथा अपूर्णांक बोधक विशेषणों में द्विरुक्ति भी प्रत्येक बोधक हो जाती है; जैसे

गणनावाचक	एक—एक छात्र को दो—दो पुस्तकें मिलीं।
	मरीज को दो—छो घंटे बाद दवा दें।
अपूर्णांक बोधक	प्रत्येक मजदूर को ढाई—ढाई सौ रूपये मिले।
	हर परिवार को पौन दो—दो मन अनाज मिला।

(2) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण :—

इस विशेषण में वस्तुओं की अनिश्चित संख्या का बोध होता है; जैसे — एक, दूसरा (अन्य, और) सब चलो, रैली में बहुत कम लोग थे। उपवन में नाना प्रकार के पुष्प खिले थे।

अनिश्चित संख्या का बोध कराने वाले विशेषण बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं।

एक, पूर्णांक बोधक होते हुए भी वाक्यों में इसका प्रयोग अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण के रूप में होता हैं; जैसे —

एक का प्रयोग कोई के अर्थ में	एक दिन ऐसा हुआ। हमने एक बात सुनी।
एक का प्रयोग संज्ञा की तरह	एक रोता हुआ। एक हँसता है। एक आता है।

दूसरा, यह दो का क्रमवाचक विशेषण है, पर यहाँ अनिश्चित संख्यावाचक रूप में प्रयुक्त है। इसके पर्यायवाची और तथा अन्य हैं।

प्रकृत प्राणी या पदार्थ से भिन्न अर्थ में प्रयुक्त।

यह दूसरी बात है। यह और बात है। वह दूसरा कार्य है। वह अन्य व्यक्ति है।

(अ) कभी—कभी दूसरा एक की तुलना में आता है; जैसे —

एक ने मारा दूसरे ने उठा लिया।

एक ने उठाया दूसरे ने छीन लिया। (तुलना में)

(आ) क्रम सूचित करने में एक दूसरा का प्रयोग; जैसे —

एक शस्त्र विद्या दूसरी शास्त्र विद्या

पहली गाड़ी आई तो दूसरी रवाना हुई। (क्रम)

(इ) सब का प्रयोग (सर्व, सकल, समस्त, उर्दू कुल) — इसका प्रयोग बहुवचन संज्ञा के साथ होता है।

सब लोग।	सब छात्र।	सब बालिकाएँ।
सर्वसम्मत।	सर्वजन हिताय।	सर्वसुलभ।

समस्त कार्य। समस्त अध्यापक। समस्त लोग।

छात्रों की कुल संख्या कुल मकान। कुल फसल।

(ई) अमुक का प्रयोग – इसके लिए उर्दू फलाना शब्द भी आता है –

अमुक व्यक्ति फलाना व्यक्ति अमुक घराना फलाना घराना

4. परिमाणवाचक विशेषण :–

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे – बहुत, बहुतेरा, और, सब, सारा, समूचा, कम, थोड़ा, पूरा, अधूरा, यथेष्ट, आदि।

परिमाणवाचक विशेषण दो प्रकार का होता है –

(1) निश्चित परिमाणबोधक विशेषण (2) अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण

(1) निश्चित परिमाणबोधक विशेषण :– इस विशेषण में संज्ञा तथा सर्वनाम के निश्चित परिमाण का बोध होता है; जैसे –

एक मन चावल पाँच किलो घी दो लीटर दूध

(2) अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण :– इस विशेषण में संज्ञा तथा सर्वनाम के अनिश्चित परिमाण का बोध होता है; जैसे–

थोड़े चावल थोड़ा घी थोड़ा दूध

परिमाण बतान के लिए 'भर' प्रत्यय का प्रयोग –

गज भर कपड़ा। हाथ भर जगह। पाव भर चाँदी।

मन भर गेहूँ। पेट भर भोजन।

काल

'काल' भी क्रिया का रूपान्तर है। काल का अर्थ है – समय। हिंदी व्याकरण में समय को काल कहा जाता है।

परिभाषा :–

क्रिया का वह रूप जिससे उसके करने अथवा होने के समय तथा पूर्णता य ाठभ्स्ॊभ ा अपूर्णता का ज्ञान होता है, काल कहते हैं।

काल के भेद :– काल के तीन भेद होते हैं –

1. भूतकाल   2. वर्तमान काल   3. भविष्यत् काल।

लिंग

परिभाषा :–

संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की नर या मादा जाति का बोध होता है, उसे व्याकरण में लिंग कहते है। दूसरे शब्दों में शब्द की जाति को लिंग कहते हैं। जैसे –

पुरुष जाति – बैल, बकरा, मोर, मोहन, लड़का आदि।

स्त्री जाति – गाय, बकरी, मोरनी, मोहिनी, लड़की आदि।

लिंग से आशय :– 'लिंग' संस्कृत भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है – 'चिह्न' या 'निशान'। पुरुष जाति की होगी या स्त्री जाति की। तात्पर्य यह है कि प्रत्येक संज्ञा पुरुषवाचक होगी अथवा स्त्रीवाचक। संज्ञा के भी दो रूप हैं – 1. प्राणिवाचक संज्ञा 2. अप्राणिवाचक संज्ञा।

1. प्राणिवाचक संज्ञा :– घोड़ा, घोड़ी, माता, पिता, लड़का, लड़की आदि।
2. अप्राणिवाचक संज्ञा :– लोटा, प्याली, पेड़, पत्ता आदि।

लिंग के भेद :–

सारी सृष्टि की तीन मुख्य जातियाँ है।

1. पुरुषवाचक 2. स्त्रीवाचक 3. जड़।

अनेक भाषाओं में इन्हीं तीन जातियों के आधार पर लिंग के तीन भेद किए गए हैं –

1. पुल्लिंग   2. स्त्रीलिंग   3. नपुंसकलिंग

अंग्रेजी व्याकरण में लिंग का निर्माण इसी व्यवस्था के अनुसार होता है। संस्कृत, मराठी, गुजराती आदि आधुनिक आर्यभाषाओं में भी यही व्यवस्था है। इसके विपरीत हिंदी में लिंग दो प्रकार के होते हैं।

1. पुल्लिंग   2. स्त्रीलिंग।

नपुंसकलिंग का इसमें प्रावधान नहीं है। अतः हिंदी में सारे पदार्थवाचक शब्द चाहे वे जड़ हैं अथवा चेतन, स्त्रीलिंग या पुल्लिंग – दो लिंगों में ही विभक्त किए गए हैं।

1. पुल्लिंग – जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं। जैसे

प्राणिवाचक – कुत्ता, बालक, खटमल, पिता, राजा, घोड़ा, बंदर, हंस, बकरा, लड़का इत्यादि।

अप्राणिवाचक – मकान, फूल, नाटक, लोहा, चश्मा, आदि।

भाव – दु:ख, लगाव आदि।

2. स्त्रीलिंग – जिस संज्ञा शब्द से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसे –

प्राणिवाचक – माता, रानी, घोड़ी, कुतिया, मक्खी, लड़की, बकरी, बंदरिया आदि।

अप्राणिवाचक – सूई, कुर्सी, गर्दन, आदि।

भाव – लज्जा, बनावट आदि।

पाठ : अभिवादन एवं रिश्तेदारी शब्दावली

1. अभिवादन (Greetings)

हिंदी में अभिवादन विभिन्न अवसरों और समय के अनुसार बदलते हैं। यहां कुछ प्रमुख अभिवादन शब्द दिए गए हैं:

– नमस्ते (Namaste): यह सबसे सामान्य अभिवादन है जो सभी समय और स्थान पर उपयोग किया जा सकता है। इसका अर्थ है "मैं आपके अंदर की दिव्यता को प्रणाम करता हूं।"

– सुप्रभात (Suprabhat): सुबह में कहे जाने वाला अभिवादन, जिसका अर्थ है "Good Morning"।

– शुभ संध्या (Shubh Sandhya): शाम को कहे जाने वाला अभिवादन, जिसका अर्थ है "Good Evening"।

– शुभ रात्रि (Shubh Ratri): रात में सोने से पहले कहा जाता है, जिसका अर्थ है "Good Night"।

– आदाब (Aadaab): यह उर्दू में भी प्रयोग किया जाता है और एक सम्मानजनक अभिवादन है, जिसका अर्थ है "Salutations"।

2. रिश्तेदारी शब्दावली (Kinship Terms)

हिंदी में रिश्तेदारों के लिए अलग–अलग शब्द होते हैं। ये शब्द रिश्ते की निकटता और संबंध के आधार पर अलग होते हैं:

– माँ Mother

– पिता Father

– भाई Brother

– बहन Sister

– दादा Paternal Grandfather

– दादी Paternal Grandmother

– नाना Maternal Grandfather

– नानी Maternal Grandmother

– चाचा Father's younger brother

– चाची Father's younger brother's wife

– मामा Mother's brother

– मामी Mother's brother's wife

– ताऊ Father's elder brother

– ताई Father's elder brother's wife

– फूफा Father's sister's husband

– बुआ Father's sister

पाठ : बाजार में बातचीत

1. 'स्वागत और शुरुआती बातचीत'

– ग्राहक नमस्ते, यह दुकान किस चीज के लिए प्रसिद्ध है?

– दुकानदार नमस्ते, हमारी दुकान में आप ताजी सब्जियाँ, फल, और रोजमर्रा की जरूरत की चीजें खरीद सकते हैं।

– ग्राहक बहुत बढ़िया, मुझे कुछ फल और सब्जियाँ खरीदनी हैं।

2. 'कीमत पूछना और बातचीत करना'

– ग्राहक इस फल सब्जी, की क्या कीमत है?

– दुकानदार यह फल सब्जी, 50 रुपये किलो है।

– ग्राहक क्या यह थोड़ा सस्ता हो सकता है? मैं 2 किलो ले रहा हूँ।

– दुकानदार ठीक है, आपके लिए 45 रुपये किलो कर देता हूँ।

3. 'मात्रा और गुणवत्ता की जांच'

– ग्राहक यह फल सब्जी ताजा है?

– दुकानदार हाँ, यह बिल्कुल ताजा है, आज सुबह ही आया है।

– ग्राहक ठीक है, मुझे 2 किलो दे दीजिए।

4. 'भुगतान और धन्यवाद'

– ग्राहक यह लीजिए पैसे।

– दुकानदार धन्यवाद, आपके पास छुट्टे पैसे हैं?

– ग्राहक नहीं, मेरे पास बड़े नोट हैं।

– दुकानदार कोई बात नहीं, मैं छुट्टे कर देता हूँ।

– ग्राहक धन्यवाद, नमस्ते।

– दुकानदार नमस्ते, फिर से आइएगा।

पाठ : ट्रेन में यात्रा और वार्तालाप

पात्रः

राजेश (यात्री)
सुषमा (यात्री)
टीटीई (ट्रेन टिकट निरीक्षक)

संवाद 1ः सीट पर बैठने की अनुमति

राजेश : नमस्ते! क्या मैं यहाँ बैठ सकता हूँ?

सुषमा : जी हाँ, जरूर। यह सीट खाली है।

राजेश : धन्यवाद! आप कहाँ जा रही हैं?

सुषमा : मैं दिल्ली जा रही हूँ। और आप?

राजेश : मैं भी दिल्ली ही जा रहा हूँ।

संवाद 2ः टिकट की जाँच

टीटीई : कृपया अपना टिकट दिखाएँ।

राजेश : जी, यह रहा मेरा टिकट।

टीटीई : ठीक है। आपकी यात्रा शुभ हो।

राजेश : धन्यवाद!

संवाद 3ः यात्रा के बारे में बात

सुषमा : क्या आप पहली बार दिल्ली जा रहे हैं?

राजेश : नहीं, मैं पहले भी जा चुका हूँ। आप?

सुषमा : मैं दिल्ली में ही रहती हूँ। आपको दिल्ली में कौन–कौन सी जगह पसंद हैं?

राजेश : मुझे इंडिया गेट और लाल किला बहुत पसंद हैं। आप किस क्षेत्र में रहती हैं?

सुषमा : मैं कनॉट प्लेस के पास रहती हूँ।

संवाद 4ः यात्रा की जानकारी

राजेश : यह ट्रेन दिल्ली कब पहुँचेगी?

सुषमा : लगभग रात 10 बजे तक पहुँच जाएगी।

राजेश : ठीक है, धन्यवाद!

सुषमा : कोई बात नहीं!

पाठ : होटल में चेक–इन करते समय बातचीत

छात्र : नमस्ते! मुझे एक कमरे की बुकिंग करनी है।

रिसेप्शनिस्ट : नमस्ते! आपकी बुकिंग किस नाम से है?

छात्र : मेरी बुकिंग (नाम) के नाम से है।

रिसेप्शनिस्ट : ठीक है। कृपया अपना पहचान पत्र दिखाएं।

छात्र : यह रहा। (अपना पहचान पत्र देते हुए)

रिसेप्शनिस्ट : धन्यवाद! आपके कमरे की चाबी यह रही। आपका कमरा नंबर (कमरा नंबर) है। नाश्ता सुबह 7 से 10 बजे तक उपलब्ध होगा। आपको और किसी चीज की आवश्यकता हो तो कृपया रिसेप्शन पर कॉल करें।

छात्र : धन्यवाद! क्या मुझे वाई–फाई पासवर्ड मिल सकता है?

रिसेप्शनिस्ट : हाँ, वाई–फाई का नाम और पासवर्ड कमरे में ही रखा गया है।

छात्र : ठीक है, धन्यवाद!

कमरे की सफाई के लिए अनुरोध

छात्र : नमस्ते! क्या आप मेरा कमरा साफ करवा सकते हैं?

रिसेप्शनिस्ट : जी, निश्चित रूप से! किस समय आप सफाई करवाना चाहेंगे?

छात्र : आप इसे दोपहर 12 बजे के बाद करवा सकते हैं।

रिसेप्शनिस्ट : ठीक है। हम आपकी बात ध्यान में रखेंगे।

छात्र : धन्यवाद!

चेक–आउट करते समय

छात्र : नमस्ते! मुझे चेक–आउट करना है।

रिसेप्शनिस्ट : नमस्ते! आपका कमरा नंबर क्या है?

छात्र : मेरा कमरा नंबर (कमरा नंबर) है।

रिसेप्शनिस्ट : ठीक है, कृपया कुछ समय रुकें, मैं आपके बिल की गणना कर रहा/रही हूँ।

छात्र : जी, धन्यवाद।

रिसेप्शनिस्ट : यह रहा आपका बिल। क्या आप नकद या कार्ड से भुगतान करेंगे?

छात्र : मैं कार्ड से भुगतान करूंगा/करूंगी।

रिसेप्शनिस्ट : ठीक है, आपका भुगतान सफल हो गया है। आपका चेक–आउट पूरा हो गया है। यात्रा के लिए शुभकामनाएँ!

छात्र : धन्यवाद!

एस. एस. जैन सुबोध पी. जी. महाविद्यालय
(ऑटोनोमस)

Value Addition Course

Session 2024-25

गैर हिन्दी भाषी विद्यार्थियों के लिए बोली जाने वाी और लिखित हिन्दी

1. संज्ञा के मूलतः कितने भेद हैं ?

(A) 2 (B) 5 (C) 3 (D) 4

2. दिए गए शब्दों में से जातिवाचक संज्ञा बताइए ?

(A) लकड़ी (B) आप (C) बुनना (D) रमेश

3. आप कहाँ जा रहे हैं ? रेखांकित पद में सर्वनाम है।

(A) पुरुषवाचक (B) निजवाचक (C) संबंधवाचक (D) प्रश्नवाचक

4. .... भी बाजार जाना है। रिक्त स्थान में निम्नलिखित में से सही शब्द का चयन कीजिए ?

(A) वहाँ (B) वरना (C) कल (D) मुझे

5. निम्नलिखित में से व्यक्तिवाचक संज्ञा का उदाहरण है ?

(A) नदी (B) पंखा (C) जयपुर (D) गाय

6. 'लूट' शब्द में कौनसी संज्ञा है ?

(A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक (C) भाववाचक (D) द्रव्यवाचक

7. विशेषण शब्द वे हैं जो –

(A) संज्ञा की विशेषता बताते हैं। (B) सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।

(C) क्रिया की विशेषता बताते हैं। (D) संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।

8. विशेषण के कितने भेद होते हैं ?

(A) चार (B) छह (C) पाँच (D) आठ

9. वस्तु, स्थान, भाव या विचार के प्रतीक शब्द को क्या कहते हैं?

(A) संज्ञा (B) सर्वनाम (C) विशेषण (D) क्रिया

10. व्यक्ति, स्थान या वस्तु विशेष का बोध कराने वाले शब्दों को क्या कहते हैं ?

(A) द्रव्यवाचक संज्ञा (B) जातिवाचक संज्ञा (C) व्यक्तिवाचक संज्ञा (D) समूहवाचक संज्ञा

11. निम्नलिखित में से संज्ञा शब्द का चयन कीजिए?

(A) स्वाभिमानी (B) स्वार्थी (C) लोभी (D) भूगोल

12. निम्नलिखित में से भाववचाक संज्ञा कौनसी है ?

(A) शत्रुता (B) वीर (C) मनुष्य (D) गुरु

13. भाववाचक संज्ञा छाँटिए?

(A) गाय (B) करुणा (C) दही (D) हिमालय

14. 'पर्वत' शब्द में संज्ञा है?

(A) जातिवाचक (B) व्यक्तिवाचक (C) भाववाचक (D) द्रव्यवाचक

15. आपका घर जिस शहर में है उस शहर का नाम संज्ञा का कौन सा भेद सूचित करता है?

(A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक (C) समूहवाचक (D) भाववाचक

16. संज्ञा का प्रकार नहीं है ?

(A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक (C) देशवाचक (D) भाववाचक

17. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को कहते हैं?

(A) सर्वनाम (B) अव्यय (C) विशेषण (D) क्रिया

18. सर्वनाम के कितने प्रकार हैं?

(A) चार (B) पाँच (C) दस (D) छः

19. हिंदी में सर्वनाम शब्दों की कितनी संख्या है?

(A) बारह (B) ग्यारह (C) तेरह (D) दस

20. पुरुषवाचक सर्वनाम कितने है?

(A) तीन (B) चार (C) पाँच (D) सात

21. बोलने वाले के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग होता है, उन्हें क्या कहते हैं?

(A) उत्तम पुरूष (B) मध्यम पुरूष (C) अन्य पुरूष (D) इनमें से कोई नहीं

22. उत्तम पुरुष है –

(A) मैं (B) तुम (C) वे (D) यह

23. मध्यम पुरुष है –

(A) वे (B) वह (C) हम (D) तुम

24. मैं, तू, आप शब्द कौन–से सर्वनाम हैं?

(A) पुरुषवाचक (B) निश्चयवाचक (C) संबंधवाचक (D) निजवाचक

25. इनमें से कौनसा शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम है?

(A) वह (B) कोई (C) कुछ (D) कौन

26. <u>तुम्हारा</u> क्या नाम है? वाक्य में रेखांकित शब्द है।

(A) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम (B) मध्य पुरुषवाचक सर्वनाम

(C) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम (D) इनमें से कोई नहीं

27. संबंधवाचक सर्वनाम है –

(A) कोई (B) कौन (C) जो–सो (D) वह

28. मुझे किस प्रकार का सर्वनाम है –

(A) उत्तमपुरुष (B) मध्यमपुरुष (C) अन्यपुरुष (D) इनमें से कोई नहीं

29. किस वाक्य में सर्वनाम का प्रयोग हुआ है –

(A) आज बरसात होगी (B) मैं कल दिल्ली जा रहा हूँ

(C) घर का काम पूरा करो (D) सीम और रीमा बहने हैं

30. ''वह अभी आया।'' इस वाक्य में 'वह' क्या है ?

(A) संज्ञा (B) सर्वनाम (C) विशेषण (D) क्रिया

31. अनिश्चयवाचक सर्वनाम कौन–सा है?

(A) कौन (B) जो (C) कोई (D) वह

32. निश्चयवाचक सर्वनाम कौन–सा है?

(A) क्या (B) कुछ (C) कौन (D) यह

33. किस समूह में सभी सर्वनाम प्रश्नवाचक हैं ?

(A) कौन, क्या, किसने (B) जो, कोई, वह

(C) जिनका, जो, किनका (D) जिन्होनें, उन पर, उसकी

34. शायद कोई कमरे में है? रेखांकित शब्द में सर्वनाम है।

(A) प्रश्नवाचक (B) संबंधवाचक (C) अनिश्चयवाचक (D) निजवाचक

35. 'जैसा–करोगे, वैसा भरोगे' वाक्य में सर्वनाम है –

(A) निजवाचक (B) निश्चयवाचक (C) संबंधवाचक (D) पुरुषवाचक

36. विशेषण के कितने भेद हैं?

(A) तीन (B) चार (C) पाँच (D) सात

37. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द विशेषण है?

(A) मीठा (B) भारत (C) हाथी (D) नमक

38. 'चार–गज मल मल' में कौन–सा विशेषण है?

(A) संख्यावाचक (B) गुणवाचक (C) परिमाणवाचक (D) संबंधवाचक

39. निम्नलिखित में संख्यावाचक विशेषण है?

(A) पाँच रूपये (B) काला घोड़ा (C) कम लोग (D) लंबा लड़का

40. ऊँचा–नीचा शब्द में विशेषण है –

(A) गुणवाचक (B) परिमाणवाचक (C) संख्यावाचक (D) सार्वनामिक

41. 'बाजार से थोड़े चावल ले आओ।' रेखांकित शब्द में विशेषण है –

(A) अनिश्चित परिमाण बोधक (B) गुणवाचक

(C) अनिश्चित संख्यावाचक (D) निश्चित संख्यावाचक

42. निम्नलिखित में से विशेषण शब्द है –

(A) घर (B) भय (C) तुम (D) जैसा

43. विशेषण शब्द का चयन कीजिए।

(A) नीचे (B) ऊपर (C) तैरना (D) बाहरी

44. तुम .... घर जाओ। उचित सर्वनाम भरकर पूर्ति कीजिए।

(A) अपने (B) सामने (C) तुम्हारे (D) खुद के

45. यह पुस्तक .... पिताजी लाए हैं ? सही सर्वनाम का चयन कीजिए।

(A) तेरी (B) मेरा (C) मेरे (D) तुझे

46. कुछ दूध मेरे लिए छोड़ देना। रेखांकित शब्द में विशेषण हैं ?

(A) गुणवाचक (B) संख्यावाचक (C) परिमाणवाचक (D) सार्वनामिक

47. आज मैनें अधिक संतरे खा लिए ? रेखांकित शब्द में विशेषण है ?

(A) परिमाणवाचक (B) संख्यावाचक (C) सार्वनामिक (D) निश्चयवाचक

48. मुझे हरा रंग प्रिय है? रेखांकित शब्द में विशेषण है।

(A) गुणवाचक (B) परिमाणवाचक (C) निश्चयवाचक (D) सार्वनामिक

49. 'मीठा' शब्द की भाववाचक संज्ञा कौनसी होगी?

(A) मिठाई (B) मिठास (C) मीठी (D) मधुर

50. 'अपना' शब्द की भाववाचक संज्ञा है –

(A) आप (B) अपनापन (C) अपनी (D) हमारा

51. 'आम बहुत मीठा है' रेखांकित शब्द में क्या है –

(A) संज्ञा (B) विशेषण (C) सर्वनाम (D) क्रिया

52. विशेषण का सही उदाहरण चयन कीजिए।

(A) पेड़ (B) नीला (C) घर (D) खाना

53. 'छोटा बच्चा खेल रहा है' वाक्य में कौनसा शब्द विशेषण है।

(A) छोटा (B) बच्चा (C) खेल (D) रहा

54 निम्नलिखित मे से कौनसा एक शब्द विशेषण है?

(A) पहाड़ (B) हिमालय (C) नीला (D) गाय

55 'ठंडी हवा चल रही है' वाक्य में कौनसा शब्द विशेषण है ?

(A) हवा (B) ठंडी (C) चल (D) है

56 निम्नलिखित विशेषणों में से कौनसा विशेषण आकार बताता है?

(A) गोल (B) खट्टा (C) मीठा (D) सुन्दर

57 कौनसा विशेषण गुणवाचक है

(A) भला (B) पाँच (C) चावल (D) चना

58 निम्नलिखित में से कौनसा विशेषण वजन बताता है?

(A) भारी (B) छोटा (C) लंबा (D) सफेद

59 'राम विद्यालय जाता है' वाक्य में क्रिया शब्द है?

(A) राम (B) विद्यालय (C) जाता (D) है

60 'वह रोज सुबह दौड़ता है' वाक्य में क्रिया शब्द है?

(A) वह (B) रोज (C) सुबह (D) दौड़ता

61 निम्नलिखित में से कौन सा शब्द क्रिया नहीं है?

(A) खेलना (B) पढ़ना (C) सुंदर (D) दौड़ना

62 वाक्य में क्रिया जोडे – 'वह ....रही है '

(A) खेल (B) फल (C) दूध (D) सेब

63 सीता गाना गाती है? वाक्य में क्रिया शब्द है?

(A) सीता (B) गाना (C) गाती (D) है

64 कौनसा शब्द क्रिया नहीं है ?

(A) पढ़ना (B) हंसना (C) खेलना (D) नया

65 बच्चे ....रहे हैं रिक्त स्थान में कौनसी क्रिया शब्द है?

(A) खेल (B) सुन्दर (C) सीधा (D) घर

66 वह मिठाई खाता है– वाक्य में क्रिया शब्द है?

(A) वह (B) मिठाई (C) खाता (D) है

67 क्रिया युक्त वाक्य नहीं है?

(A) वह खेलता है । (B) वह किताब पढता है (C) वह सुंदर है। (D) वह दौड़ता है

68 नेहा पानी ....रही है । रिक्त सथाना की पूर्ति सही क्रिया का चयन कर कीजिए–

(A) पी (B) खाना (C) सोना (D) दौड़ना

69 क्रिया के कितने भेद होते हैं –

(A) एक (B) दो (C) पाँच (D) आठ

70 क्रिया युक्त शब्द का चयन कीजिए–

(A) रविवार (B) नाचना (C) बगीचा (D) गर्मी

71 कौनसा शब्द किसी व्यक्ति से मिलने पर उपयोग किया जाता है?

(A) नमस्ते (B) धन्यवाद (C) शुभ रात्रि (D) आओ

72 रिश्ते से युक्त शब्द नहीं है ?

(A) भाई (B) माता (C) पिता (D) डॉक्टर

73 रिश्तेदारी दर्शाने वाला शब्द है ?

(A) चाचा (B) पुस्तक (C) गाड़ी (D) रात्रि

74 किस शब्द का अभिवादन के लिए उपयोग नहीं किया जाता है ?

(A) धन्यवाद (B) नमस्ते (C) सुप्रभात (D) घर

75 'सिस्टर' को हिन्दी में क्या कहते हैं–

(A) भाई (B) बहन (C) नानी (D) दादी

76 कौनसा शब्द रिश्तेदारी में नहीं आता है?

(A) बुआ (B) बहन (C) नानी (D) अध्यापक

77 काल के कितने प्रकार हैं

(A) दो (B) तीन (C) चार (D) पाँच

78 निम्नलिखित में पुल्लिंग शब्द है?

(A) शेर (B) सिंहनी (C) मोरनी (D) मालिन

79 कौनसा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?

(A) छात्रा (B) पृथ्वी (C) वधू (D) जीवन

80 'नर' का स्त्रीलिंग शब्द है?

(A) नारी (B) माली (C) औरत (D) वीर

81 'दासी' का पुल्लिंग शब्द है ?

(A) दास (B) राजा (C) कवि (D) छात्र

82 रानी का पुल्लिंग शब्द है ?

(A) राजा (B) सेना (C) दास (D) गायिका

83 आप सब्जी खरीदने बाजार गए आप सबसे पहला वाक्या कया कहेगें।

(A) यह मुझे पंसद नहीं (B) यह कितने का हैं

(C) मैं नही खरीदूँगा (D) आपकी दुकान अच्छी नहीं

84 आप फल खरीद रहे हैं विक्रेता से क्या कहेगें ?

(A) यह ताजा है, इसका दाम कितना है (B) क्या यह दूध है।

(C) क्या आप मुझे मुफ्त में दे सकते हैं। (D) आपके सारे फल खराब है ।

85 बाजार में सब्जी खरीदते समय कौन सा शब्द उपयोगी है।

(A) ताजा (B) बंदर (C) कच्चा (D) स्पर्श

86 फल और सब्जी खरीदते समय कौनसा शब्द उपयोगी नहीं है?

(A) सस्ता (B) महंगा (C) वजन (D) चावल

87 अगर आपको किसी से पानी माँगना है, तो आप क्या कहेगें?

(A) क्या आप मुझे पानी पिला सकते हैं। (B) क्या आप मुझे खाना दे सकते हैं।

(C) क्या आप मुझे कपड़े दे सकते हैं। (D) क्या आप मुझे किताब दे सकते हैं।

88 अगर आपको किसी से नाम पूछना है तो आप क्या कहेंगे ?

(A) आप क्या करते हैं। (B) आपका नाम क्या है।

(C) आप कहाँ रहते हैं। (D) आप कौन हैं

89 अगर आपको किसी से माफी माँगनी है तो आप क्या कहेंगे ?

(A) धन्यवाद (B) माफ कीजिए (C) फिर मिलेंगे (D) कृपया

90 जब आप किसी से विदा ले रहे हों, तो आप क्या कहेगे ?

(A) नमस्ते (B) फिर मिलेंगे (C) सुप्रभात (D) शुभरात्रि

91 अगर आपको किसी से कोई वस्तु प्राप्त हुई है तो लेने के बाद आप उसे क्या कहेंगे

(A) धन्यवाद (B) शुभरात्रि (C) अलविदा (D) स्वागत

92 अगर आपको होटल के रेस्टोरेंट से ख्वााना ऑडर करना है तो आप कैसे कहेंगे ?

(A) मुझे चाय चाहिए । (B) कृपया मैं मेनू देख सकता हूँ

(C) मुझे एक कमरे की सफाई चाहिए। (D) मुझे एक कमरे की बुकिंग चाहिए।

93 होटल में चेक–इन करते समय आप क्या कहेंगे।

(A) मुझे खाना दीजिए। (B) मेरा नाम सचिन है, मैं चेक–इन करना चाहता हूँ

(C) मुझे एक टैक्सी चाहिए (D) मैं यहाँ आया हूँ ।

94 अगर आपको होटल के कर्मचारियों से कोई सहायता चाहिए तो आप क्या कहेगें?

(A) कृपया; मुझे सोने दे। (B) कृपया मुझे थोड़ी मदद चाहिए।

(C) मैं जाना चाहता हूँ। (D) मैं सोच रहा हूँ।

95 यदि आपको ट्रेन की दिशा या गंतव्य के बारे में पूछना हो तो आप कैसे पूछेंगे?

(A) क्या यह ट्रेन दिल्ली जाती है। (B) क्या यह ट्रेन सुबह चलती है।

(C) क्या यह ट्रेन रात को चलती है। (D) यह ट्रेन कब रूकेगी।

96 अगर आपको किसी से अपना बर्थ बदलने के लिए कहना हो, तो आप क्या कहेंगे ?

(A) क्या आप मुझसे अपना बर्थ बदल सकते हैं। (B) क्या आप मुझे जाने देंगे।

(C) क्या आप मुझे अपने साथ बैठा लेंगे। (D) मैं यहाँ नहीं बैठ सकता।

97 अगर आप ट्रेन के विलंब के बारे में पूछना चाहते हैं, तो आप क्या कहेंगे ?

(A) ट्रेन के देरी का कारण क्या है? (B) ट्रेन अब कहाँ है।

(C) ट्रेन कब से चल रही है? (D) ट्रेन कब आएगी?

98 ट्रेन में टिकट चैकर से अपने टिकट की पुष्टि कैसे करेंगे?

(A) कृपया मुझे मेरी सीट नंम्बर बताएँ। (B) मेरे पास टिकट कल का है।

(C) मुझे टिकट दीजिए। (D) मुझे ट्रेन की समय–सारणी बताएँ।

99 निम्नलिखित में से स्त्रीलिंग शब्द नहीं है।

(A) शेरनी (B) युवती (C) राजा (D) सास

100 भूतकाल के कितने भेद हैं?

(A) 5 (B) 6 (C) 7 (D) 8

Answer Key

1	**C**	21	**A**	41	**A**	61	**C**	81	**A**
2	**A**	22	**A**	42	**D**	62	**A**	82	**A**
3	**A**	23	**D**	43	**D**	63	**C**	83	**B**
4	**D**	24	**A**	44	**A**	64	**D**	84	**A**
5	**C**	25	**A**	45	**C**	65	**A**	85	**A**
6	**C**	26	**B**	46	**C**	66	**C**	86	**D**
7	**D**	27	**C**	47	**B**	67	**C**	87	**A**
8	**A**	28	**A**	48	**A**	68	**A**	88	**B**
9	**A**	29	**B**	49	**B**	69	**B**	89	**B**
10	**C**	30	**B**	50	**B**	70	**B**	90	**B**
11	**D**	31	**C**	51	**B**	71	**A**	91	**A**
12	**A**	32	**D**	52	**B**	72	**D**	92	**B**
13	**B**	33	**A**	53	**A**	73	**A**	93	**B**
14	**A**	34	**C**	54	**C**	74	**D**	94	**B**
15	**A**	35	**C**	55	**B**	75	**B**	95	**A**
16	**C**	36	**B**	56	**A**	76	**D**	96	**A**
17	**A**	37	**A**	57	**A**	77	**B**	97	**A**
18	**D**	38	**C**	58	**A**	78	**A**	98	**A**
19	**B**	39	**A**	59	**C**	79	**D**	99	**C**
20	**A**	40	**A**	60	**D**	80	**A**	100	**B**

एस. एस. जैन सुबोध पी. जी. महाविद्यालय
(ऑटोनोमस)

Value Addition Course
Session 2024-25

असाइन्मेंट के प्रश्न

1. संज्ञा एवं सर्वनाम की परिभाषा बताते हुए उनके भेदों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

2. होटल एवं ट्रेन की वार्तालाप का एक उदाहरण लिखिए?